एवरशाइन

मानक

हिंदी व्याकरण

अशोक लव

एम. ए. (हिंदी), बी. एड. (दिल्ली विश्व.)

पी. एच. डी. (मानद) डी. लिट्. (मानद)

साहित्यालंकार, साहित्यश्री, साहित्य मनीषी

5

एन. सी. ई. आर. टी. पाठ्यक्रम और नई शिक्षा नीतियों के अनुसार

प्रकाशक

एवरशाइन पब्लिशर्ज़

सोनी हाउस, WZ-348, नाँगल राया, नई दिल्ली-110046

फोन: 28111758, 28113958 फैक्स: 28112353

ई-मेल: evershinepub@gmail.com

भूमिका

व्याकरण भाषा के शुद्ध प्रयोग का ज्ञान कराता है। भाषा के मौखिक और लिखित रूपों का ज्ञान व्याकरण द्वारा होता है। हिंदी भाषा विश्व की प्रामाणिक वैज्ञानिक भाषा है। इसकी संरचना वैज्ञानिक पद्धति से हुई है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि इसे जिस रूप में लिखा जाता है, इसका उच्चारण भी उसी रूप में किया जाता है। इसलिए इसके व्याकरण के ज्ञान से इसके मौखिक और लिखित दोनों रूपों पर समानाधिकार आ जाता है।

समय तेज़ी से बदल रहा है। इसके साथ-साथ शिक्षा-पद्धितयों में भी तेज़ी से परिवर्तन आ रहा है। संचार माध्यमों के प्रचार-प्रसार और विश्वीकरण का प्रभाव शिक्षा जगत पर भी पड़ा है। भाषा पर इन सबका प्रभाव पड़ रहा है। संसार में वही भाषा जीवित रहती है जिसने विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में हुए परिवर्तनों को स्वीकार करके नवीन स्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लिया है। हिंदी इन परिवर्तनों को स्वीकार करके समृद्ध हुई है।

व्याकरण की यह शृंखला इन समस्त स्थितियों को समक्ष रखकर तैयार की गई है। इसकी भाषा विद्यालयों के विद्यार्थियों के स्तरानुकूल है। पांडित्य प्रदर्शन हेतु संस्कृत की तत्सम प्रधान शब्दावली से बचा गया है। इस पुस्तक शृंखला में विद्यार्थियों को केंद्र में रखा गया है। नियमों-उपनियमों और अभ्यासों की भाषा बोधगम्य है। इसका उद्देश्य है - विद्यार्थी पढ़कर इन्हें स्वयं समझ सकें।

व्याकरण जैसे नियमों-उपनियमों से भरे शास्त्र को शुष्क एवं नीरस माना जाता है। इस शृंखला की प्राथमिक स्तर की पुस्तकों (भाग तीन, चार और पाँच) को रंगीन चित्रों के माध्यम से आकर्षक बनाया गया है। विभिन्न नियमों को जीवन के साथ संबद्ध करके समझाया गया है। बाल-गीतों की पंक्तियों और गीतों के माध्यम से व्याकरण पढ़ाने का नया प्रयोग व्याकरण जगत में पहली बार किया गया है। इससे विद्यार्थियों की व्याकरण पढ़ने में रुचि बढ़ी है। अध्यापक-अध्यापिकाओं ने इस प्रयोग की भूरि-भूरि प्रशंसा की है।

प्राथमिक स्तर पर हिंदी भाषा के व्याकरण का अध्ययन-अध्यापन सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है। इसी स्तर पर विद्यार्थी भाषा सीखना आरंभ करता है। भाषा की नींव इसी समय रखी जाती है। मात्राओं का उचित प्रयोग करने से लेकर अनुच्छेद और कहानी-लेखन कक्षा पाँच तक हो जाता है। इन कक्षाओं में व्याकरण-अध्ययन अत्यंत आवश्यक होता है। इसलिए इस स्तर की पुस्तकों को अध्यापक-अध्यापिकाओं की आवश्यकताओं और विद्यार्थियों की आयु और ग्रहण-क्षमता को समक्ष रखकर तैयार किया गया है।

माध्यमिक स्तर की पुस्तकों की भाषा भी सहज और सरल है। इनके उदाहरण आम जीवन से संबद्ध हैं। ये विद्यार्थियों के परिवेश से सीधे जुड़े हुए हैं। अंग्रेज़ी माध्यम के विद्यालयों में विद्यार्थियों और अध्यापक-अध्यापिकाओं को जो कठिनाई आती है, उसे भी दृष्टिगत रखकर भाग छह, सात आठ को तैयार किया गया है। अभ्यास के लिए पर्याप्त प्रश्न दिए गए हैं।

प्रश्नों के साथ ही उत्तरों के लिए पर्याप्त स्थान रखे गए हैं। इसमे विद्यार्थियों को गृह-पुस्तिकाओं में कार्य करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। यदि प्रत्येक अध्याय के साथ दिए गए 'प्रश्न और अभ्यास' गंभीरतापूर्वक किए जाएँगे तो विद्यार्थी व्याकरण में पारंगत हो जाएँगे।

साहित्य के क्षेत्र में लगभग तीस वर्षों के निरंतर लेखन एवं अध्यापन के दो दशकों से अधिक के अनुभव के पश्चात व्याकरण-लेखन का उद्देश्य है कि विद्यार्थियों की हिंदी भाषा में रुचि जाग्रत हो। वे इसका शुद्ध प्रयोग करें। उनकी अभिव्यक्ति क्षमता विकसित हो। उनकी राष्ट्रभाषा के प्रति सकरात्मक सोच बने। इस शृंखला से उनकी हिंदी साहित्य के प्रति रुचि विकसित होगी। आशा है व्याकरण पुस्तक की यह शृंखला अध्ययन-अध्यापन के अपने उद्देश्य में सार्थक सिद्ध होगी।

इस पुस्तक को विभिन्न राज्यों के शिक्षा विभागों, एस.सी.ई.आर.टी, एन.सी.ई.आर.टी और सी.बी.एस.ई. की पाठ्यक्रम नीतियों और पाठ्यक्रमों को दृष्टिगत रखकर तैयार किया गया है। अंग्रेज़ी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए यथास्थान अंग्रेज़ी के पर्यायवाची शब्द दिए गए हैं।

आशा है हिंदी भाषा के अध्यापक-अध्यापिकाएँ इस पुस्तक-शृंखला का अपनी सहायिका के रूप में स्वागत करेंगे। उनके द्वारा ही ज्ञान प्रदान करने का पावन कार्य संपन्न होता है। उनके इस समर्पित, पावन और अतुलनीय कार्य में यह पुस्तक सार्थक भूमिका निभा सकेगी, ऐसा हमारा विश्वास है।

विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके माता-पिता भी इसे रुचिकर एवं उपयोगी पाएँगे। आप सबकी प्रतिक्रिया और सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

अशोक लव

विषय-सूची

क्रम	विषय		पृष्ठ
1.	भाषा और व्याकरण	(Language and Grammar)	5
2.	वर्ण-विचार	(Phonology)	8
3.	शब्द	(Words)	14
4.	संज्ञा	(Noun)	16
5.	लिंग	(Gender)	20
6.	वचन	(Number)	24
7.	कारक	(Case)	29
8.	सर्वनाम	(Pronoun)	35
9.	विशेषण	(Adjective)	40
10.	क्रिया	(Verb)	44
11.	काल	(Tense)	51
12.	क्रियाविशेषण	(Adverb)	55
13.	संबंधबोधक	(Post Position)	59
14.	समुच्चयबोधक(योजक)	(Conjunction)	62
15.	विस्मयादिबोधक	(Interjection)	65
16.	मुहावरे	(Idioms)	69
17.	समानदर्शी भिन्न अर्थ वाले शब्द	(Pairs of word-distinguished)	72
18.	विपरीत अर्थ वाले (विलोम) शब्द	(Antonyms)	74
19.	पर्यायवाची	(Synonyms)	76
20.	अनुच्छेद-लेखन (1) अहिंसा (2) खेलकूद और जीवन (3) वह दीवाली (4) मेरी प्रिय सहेली (5) मच्छरों का आक्रमण	(Paragraph-Writing)	78
21.	पत्र-लेखन	(Letter-Writing)	81
22.	डायरी-लेखन	(Diary-Writing)	85
23.	कहानी-लेखन	(Story-Writing)	89
24.	निबंध-लेखन (1) पुस्तकालय (2) दीपावली (3) शिष्टाचार (4) मेरे जीवन का लक्ष्य (5) समय का सदुपयोग	(Essay-Writing)	93

1 भाषा और व्याकरण (Language and Grammar)

बच्चों ने कहा – 'दादी माँ! हमें कहानियाँ सुनाइए।' दादी माँ ने बच्चों को अकबर-बीरबल के किस्से सुनाए। बच्चे हँसते-हँसते लोट-पोट हो गए।

स्नेह ने अपनी माँ को पत्र लिखा। पत्र द्वारा उसने माँ से कुछ रुपए माँगे थे। लौटती डाक से माँ ने स्नेह को रुपए भेज दिए।

पहले चित्र में बच्चों ने अपने मन की बात दादी माँ को कही। बच्चों की बात सुनकर दादी माँ ने उन्हें अकबर बीरबल के किस्से सुनाए। दादी माँ के किस्से सुनकर बच्चे हँसते-हँसते लोट-पोट हो गए।

दूसरे चित्र में स्नेह ने पत्र लिखकर माँ से अपने भाव व्यक्त किए। पत्र पढ़कर माँ उसकी ज़रूरत को समझ गई और डाक से रुपये भेज दिए। यहाँ लिखकर और पढ़कर एक दूसरे के भावों, विचारों को जाना गया। **बोलना, सुनना, लिखना** और **पढ़ना** भाषा के कार्य हैं।

भाषा हमारे विचारों और भावों को व्यक्त करने तथा जानने का साधन है।

भाषा के माध्यम से हम **बोलकर** और **लिखकर** अपने विचारों और भावों को व्यक्त करते हैं तथा **सुनकर** और **पढ़कर** दूसरों के विचारों और भावों को जानते हैं।

भाषा के दो रूप होते हैं- मौखिक और लिखित।

1. **मौखिक भाषा (Spoken Language)**– जिस भाषा को बोलकर और सुनकर प्रयोग में लाया जाता है, वह मौखिक भाषा होती है। **जैसे–** अध्यापक ने शांत रहने के लिए कहा। बच्चे शांत हो गए ।

मौखिक भाषा के माध्यम से अध्यापक ने अपनी बात बोलकर कही और बच्चों ने सुनकर समझा।

2. **लिखित भाषा (Written Language)**– जिस भाषा को लिखकर और पढ़कर प्रयोग में लाया जाता है, वह लिखित भाषा होती है। **जैसे–** मुझे राजेश का पत्र मिला। वह बहुत दु:खी है। लिखित भाषा के माध्यम से लिखकर अपने भाव और विचार प्रकट किए जाते हैं तथा पढ़कर दूसरों के भाव और विचार जाने जाते हैं। पुस्तकें, अखबार, विज्ञापन, नामपट्ट आदि भाषा के लिखित रूप हैं।

व्याकरण (Grammar)

हम जिस भाषा को लिखते, पढ़ते, बोलते या सुनते हैं वह शुद्ध है या नहीं इसका पता व्याकरण के द्वारा चलता है। व्याकरण भाषा के शुद्ध रूप को हमारे सामने प्रस्तुत करता है।

व्याकरण एक शास्त्र है। इसमें भाषा के संबंध में अनेक नियम होते हैं। इन नियमों के पालन एवं प्रयोग से ही भाषा को शुद्ध रूप में लिखा और बोला जा सकता है। इसलिए किसी भी भाषा के शुद्ध ज्ञान के लिए उसके व्याकरण का ज्ञान आवश्यक होता है। प्रत्येक भाषा का अपना व्याकरण होता है।

व्याकरण से हमें भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान होता है।

अशुद्ध	शुद्ध
मैं पढ़ लिया हूँ।	मैं पढ़ रहा हूँ।
उसका बेटी जा रहा था।	उसकी बेटी जा रही थी।
मेरा साँस उखड़ रहा है।	मेरी साँस उखड़ रही है।

लिपि (Script)

प्रत्येक भाषा को लिखने का एक ढंग होता है। इसे लिपि कहते हैं।

लिपि किसी भाषा को लिखने का ढंग होता है।

प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि होती है।

हिंदी भाषा की लिपि **देवनागरी** है।

अंग्रेज़ी भाषा की लिपि **रोमन** है।

पंजाबी भाषा की लिपि **गुरुमुखी** है।

उर्दू भाषा की लिपि **फ़ारसी** है।

संस्कृत, मराठी, गुजराती, नेपाली आदि भाषाओं की लिपि भी **देवनागरी** है।

ध्यान दीजिए

1. भाषा मन के भावों और विचारों को प्रकट करने और जानने का साधन है।
2. भाषा के दो रूप हैं- मौखिक और लिखित।
3. व्याकरण से भाषा का शुद्ध रूप जाना जाता है।
4 भाषा के लिखने के ढंग को लिपि कहते हैं।

उत्तर दीजिए

1. **भाषा किसे कहते हैं ?**
2. **मौखिक और लिखित भाषा किसे कहते हैं ?**
3. **व्याकरण का क्या काम है ?**
4. **लिपि किसे कहते हैं ?**

कीजिए और सीखिए

1. **खाली स्थान भरिए :**

   (क) हिंदी की लिपि .... है।

   (ख) भाषा के दो रूप होते हैं लिखित और .... ।

   (ग) भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान .... द्वारा आता है।

2. **विश्व में बोली जाने वाली छह भाषाओं के नाम लिखिए।**

   ____________ ____________ ____________

   ____________ ____________ ____________

3. **नीचे लिखे वाक्यों के आगे मौखिक या लिखित जो उचित हो लिखिए -**

   जैसे :- माँ पारुल को समझा रही है। **(मौखिक)**

   (क) धनीशा पुस्तक पढ़ रही है। ____________

   (ख) खुशबू गीत गा रही है। ____________

   (ग) आकांक्षा और निधि बातचीत कर रही हैं। ____________

   (घ) चाचा जी रेडियो से समाचार सुन रहे हैं। ____________

   (ङ) श्वेता पढ़कर कविता याद कर रही है। ____________